राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के 55वें राष्ट्रीय समारोह के अवसर पर
महामहिम राज्यपाल, बिहार, श्री राम नाथ कोविन्द का संभाषण
(पटना एम्स, 17.10.2015 अप0 6.00 बजे)

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के कुलपति डॉ0 रविकांत जी, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के एमेरीटस अध्यक्ष डॉ0 जे0 एस0 बजाज, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के वर्तमान अध्यक्ष डॉ0 मुकुन्द एस0 जोशी जी, सचिव डॉ0 डी0 एन0 श्रीवास्तव जी, 'एम्स' पटना के निदेशक डॉ0 जी0 के0 सिंह जी, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के '55वें राष्ट्रीय अधिवेशन' के आयोजन–सचिव डॉ0 सी0 एम0 सिंह जी, विभिन्न राज्यों से पधारे चिकित्सकगण, 'एम्स' पटना के प्राध्यापक, छात्र एवं चिकित्सकगण, मीडिया–प्रतिनिधिगण, भाइयों एवं बहनों !

'एम्स' पटना के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के '55 वें अधिवेशन' के उद्घाटन हेतु मुझे आमंत्रित करने के लिए मैं आप सबको धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, न्याय और कला–संस्कृति आदि सभी दृष्टियों से उत्कृष्ट विरासतों को सँभालने वाले बिहार प्रान्त की राजधानी पटना में पधारे आप सभी लब्धप्रतिष्ठ चिकित्सकों का मैं स्वागत करता हूँ।

हम सभी अवगत हैं, 'राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी' की स्थापना 21 अप्रैल, 1961 ई0 को हुई थी और 19 दिसम्बर 1961 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इसे

औपचारिक रूप से उद्घाटित किया था। तबसे लगातार इस अकादमी द्वारा चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा करनेवाले चिकित्सकों को फेलोशिप और सदस्यता प्रदान की जाती रही है। अकादमी स्वास्थ्य–सुविधाओं के विकास और स्थानीय स्वास्थ्य–समस्याओं के निराकरण की दिशा में सदैव तत्पर रही है। बिहार में भी स्थानीय असमानताओं को दूर करते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े आम गरीब आदमी तक को सहज, सस्ता और उत्कृष्ट कोटि की स्वास्थ्य–सुविधाएँ मुहैय्या कराने में अकादमी हमेशा अग्रसर रही है।

पटना एम्स अपने प्रारम्भिक दिनों से ही राज्य में गंभीर बीमारियों के निराकरण, उनकी चिकित्सा तथा उनसे जुड़े शोध एवं परीक्षाणादि कार्यों में लगातार सचेष्ट रहा है। ग्रामीण एवं सूदूरवर्त्ती ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपनी स्वास्थ्य–सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में पटना एम्स के सार्थक प्रयास धीरे–धीरे प्रतिफलित होने लगे हैं। राज्य के आपदा–प्रबंधन विभाग के साथ समन्वय बनाकर दुर्घटना से पीड़ित व्यक्ति को त्वरित चिकित्सा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित पटना एम्स का 'संकट मोचन' कार्यक्रम धीरे–धीरे बहुत लोकप्रिय होता जा रहा है। इस अभियान को इलेक्ट्रॉनिक संचार–माध्यमों से सम्बद्ध कर यथाशीघ्र चिकित्सकीय सुविधाएँ उपलब्ध कराने के प्रयास काफी कारगर एवं जीवनरक्षक सिद्ध हुए हैं। मुझे बताया गया है पटना एम्स

वीडियो–कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से निःशुल्क विशेष चिकित्सकीय सुझाव भी देता है।

मुझे जानकारी मिली है कि पटना एम्स में मोबाइल के जरिये भी ओ0 पी0 डी0 में ऑनलाईन निबन्धन की सुविधा उपलब्ध है। प्रत्येक रोगी एवं उसके रोग–इतिहास के बारे में यह स्वास्थ्य–संस्थान इलेक्ट्रॉनिक डाटा–संग्रह का दायित्व भी बखूबी निभा रहा है, जो पूरे जीवन में कभी भी किसी रोगी की चिकित्सा में अत्यंत सहायक साबित होगा।

मुझे यह भी बताया गया है कि पटना एम्स के अत्यंत आधुनिक ऑपरेशन थियेटर में 'ज्वायंट रिप्लेसमेंट' के चार बड़े ऑपरेशन भी मार्च–2014 के बाद से अबतक की अवधि में सफलतापूर्वक किए गए हैं।

मुझे विश्वास है कि पटना एम्स के तत्वावधान में आयोजित हो रहा 'राष्ट्रीय चिकित्सा–विज्ञान अकादमी' का यह 55वाँ अधिवेशन अत्यंत सफलतापूर्वक सम्पन्न होगा। मैं आशा करता हूँ कि आप सभी इस समारोह में चिकित्सा–विज्ञान के आधुनिक शोध–निष्कर्षों पर विचार करते हुए संक्रामक एवं गंभीर बीमारियों की उपचार–विधियों पर गंभीरता और पूरी व्यापकतापूर्वक विचार करेंगे।

बिहार से काफी संख्या में रोगी दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, कोलकता, लखनऊ आदि शहरों में जाते हैं। मुझे उम्मीद है कि

पटना एम्स की स्थापना से बिहार एवं निकटवर्त्ती प्रदेशों को सहज एवं कम व्यय पर आधुनिक चिकित्सा–सुविधाएँ सुलभ हो जाएँगी।

मैं, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के इस '55वें राष्ट्रीय समारोह' की समग्र सफलता के लिए पुनः अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ और आप सबके प्रति अपना धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

जय हिन्द !

***

प्रस्तुति–जन–सम्पर्क शाखा, राजभवन, पटना।